वारदात

52 लाख की चोरी का पर्दाफाश, पारदी गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार, सीहोर के पारदी गैंग से शत-प्रतिशत बरामदगी

सराफा व्यापारी की आंखों में धूल झोंक कर भागे अंतर्राज्यीय चोर धराए

नैनपुर, नवभारत। जिले के नैनपुर थाना अंतर्गत पिंडरई पुलिस चौकी ने सराफा व्यापारी के साथ हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सीहोर जिले के कुख्यात पारदी गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए 52 लाख से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात, नगदी और वाहन बरामद किए हैं।

बताया गया कि घटना विगत माह 25 अप्रैल की है, जब कन्हरगांव निवासी सराफा व्यापारी पवन कुमार सोनी पिंडरई बाजार में अपनी दुकान लगाने पहुंचे थे। दुकान जमाने के दौरान अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवर, नगदी और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा बैग पार कर दिया था। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में तत्काल विशेष टीमों का गठन कर जांच शुरू की गई।

आरोपियों से 52 .89 लाख का मशरूका बरामद

बताया गया कि पुलिस ने इस मामले में संलिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में अपनू लाल पारदी (35 वर्ष), निवासी सीहोर, निरकेस (26 वर्ष), निवासी सीहोर, अरिसमिन (22 वर्ष), निवासी सीहोर और दो विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से शत-प्रतिशत मशरूका बरामद करने में सफलता पाई है, जिसमें सोने के आभूषण में 278 ग्राम कीमत 38.41 लाख रूपए, चांदी के आभूषण में 5 किलो 492 ग्राम कीमत 10.98 लाख रूपए और एक अल्टो कार और टीवीएस राइडर मोटर साइकिल के साथ 30 हजार रूपए नगदी जब्त की गई है।

रुद्राक्ष बेचने के बहाने करते थे रेकी

पुलिस की सघन जांच, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र से खुलासा हुआ कि आरोपी मूल रूप से जिला सीहोर के ग्राम लमटी राला पारदीपुरा क्षेत्र के निवासी हैं। यह गिरोह कंगन, चूड़ी और रुद्राक्ष बेचने के बहाने मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों के बाजारों में घूमकर रेकी करता था। आरोपी वर्तमान में समनापुर-सांगवा क्षेत्र के पास रेलवे लाइन किनारे अस्थायी डेरा बनाकर रह रहे थे।

ऐसे दिया घटना को अंजाम

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 25 अप्रैल को योजनाबद्ध तरीके से वे पिंडरई बाजार पहुंचे। वहां एक दुकान के सामने रखे थैले में कीमती जेवरात होने की भनक लगते ही गिरोह में शामिल विधि से संघर्षरत बालकों ने मौका पाकर थैला उठा लिया। इसके बाद आरोपी कार और मोटरसाइकिल से फरार होकर अपने डेरे पहुंचे और सामान का आपस में बंटवारा कर लिया।

पुलिस टीम को मिला इनाम

उक्त चोरी की घटना के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में एसडीओपी मनीष राज के मार्गदर्शन में निरीक्षक बलदेव सिंह मुजाल्दा, उप निरीक्षक (विवेचक) राजकुमार हिरकने, उप निरीक्षक पुनीत वाजपेयी, उप निरीक्षक सुरजीत परमार, उप निरीक्षक जैनेंद्र उपराड़े, उप निरीक्षक के.के. विश्वकर्मा, सहायक उप निरीक्षक जगदीश सैयाम, आरक्षक रंजीत उडाली, आरक्षक अक्षय भलावी, आरक्षक सुरेश भटेरे, आरक्षक विनोद उइके, आरक्षक ओमप्रकाश बघेल, आरक्षक सुधीर कुशराम एवं आरक्षक अवधेश पासी की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही। विवेचना के दौरान सीहोर जिला पुलिस के द्वारा भी निरंतर सहयोग उपलब्ध कराया गया। पूर्व में उक्त अपराध की पतासाजी के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक के द्वारा 20 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया था.। अल्प समय में शत प्रतिशत बरामदगी करने वाली टीम को पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के द्वारा पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

एक किलो से अधिक गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

50 हजार की कीमत का अवैध गांजा बरामद, आरोपी को भेजा जेल

हिरदेनगर, नवभारत। पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हिरदेनगर पुलिस चौकी को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तस्करी की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को भारी मात्रा में गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

जानकारी अनुसार हिरदेनगर चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर बिक्री की फिराक में घूम रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुर क्रांति कुमार ब्रम्हे द्वारा टीम गठित की गई। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक हरछट ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल बताए गए स्थान पर दबिश देकर आरोपी को दबोच लिया।

50 हजार का गांजा बरामद

कार्यवाही के दौरान आरोपी के कब्जे से एक थैले में रखा 1 किलो 70 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रूपए बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर विधिवत जब्ती की कार्यवाही कर आरोपी को अपनी अभिरक्षा में लिया।

आरोपी को किया न्यायालय में पेश

आरोपी के विरुद्ध थाना महाराजपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस सराहनीय कार्यवाही में उप निरीक्षक हरछट ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक रमेश पटेल, प्रधान आरक्षक धीरज नाग, उत्तम सिंह गोठरिया, आरक्षक सुनील सिंह, महेश उइके एवं रशीद पुशाम की मुख्य भूमिका रही।

अश्लील सामग्री ऑनलाइन बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गृह मंत्रालय के इनपुट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने धनवंतरी नगर निवासी आयुष जैन को गिरफ्तार किया है, जो टेलीग्राम पर चैनल बनाकर आपत्तिजनक सामग्री का सौदा करता था। जानकारी अनुसार भारत सरकार के गृह मंत्रालय स्थित इंडियन सायबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने मध्य प्रदेश पुलिस को एक विशेष इनपुट भेजा। जांच में सामने आया कि टेलीग्राम पर एक चैनल चलाया जा रहा है। तकनीकी छानबीन करने पर इस चैनल का कनेक्शन जबलपुर के आयुष जैन पिता नवीन कुमार जैन से निकला। जांच में पुलिस ने पाया कि आरोपी आयुष जैन बेहद शातिर तरीके से अपना नेटवर्क चला रहा था। वह टेलीग्राम चैनल पर बच्चों से संबंधित अश्लील वीडियी की लिस्ट डालता था और ग्राहकों से पैसे वसूलने के लिए क्यू आर यूपीआई कोड का इस्तेमाल करता था। पैसे मिलते ही वह वीडियो की लिंक या फाइल साझा कर देता था।

स्वच्छता और जनजागरण से दिया नर्मदा संरक्षण का संदेश

बसगढ़ी घाट पर रेवा सेवा समागम का आयोजन, ग्रामीणों ने लिया स्वच्छता और संरक्षण का संकल्प

निवास, नवभारत। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मंडला के मार्गदर्शन में विकासखंड निवास के बसगढ़ी घाट पर रेवा सेवा समागम का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था और आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम पूर्णिमा के अवसर पर एक दिवसीय जनजागरूकता अभियान के रूप में संपन्न हुआ।

इस समागम का मुख्य उद्देश्य मां नर्मदा और उनके घाटों के संरक्षण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना था। वक्ताओं ने सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से जनसामान्य को भावनात्मक रूप से जोड़ने पर जोर दिया। उपस्थित जनसमुदाय को नर्मदा नदी के ऐतिहासिक महत्व, निरंतर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

व्यापक स्वच्छता अभियान और सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम के दौरान प्रस्फुटन समिति और संस्था के सदस्यों ने बसगढ़ी घाट एवं तटवर्ती क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। सदस्यों ने स्वयं श्रमदान कर घाट परिसर की सफाई की और ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान श्री शिवराज पटेल, परामर्शदाता श्री उत्तम परस्ते, तारेंद्र सिंह, हेमराज मरावी और नारायण पट्टा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने मां नर्मदा की निर्मलता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

बम निरोधक दस्ते के साथ नेशनल हाईवे पर संदिग्धों पर पुलिस की पैनी नजर

बिछिया में सुरक्षा का कड़ा पहरा, बस स्टैंड और हाईवे पर वाहनों की तलाशी, सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता

भुआ बिछिया। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से मंडला पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है।

इसी क्रम में भुआ बिछिया बस स्टैंड और नेशनल हाईवे पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस कार्यवाही की खास बात यह रही कि पुलिस बल के साथ बम निरोधक दस्ता की टीम भी तैनात रही, जो संदिग्ध वाहनों और वस्तुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

सघन तलाशी से मचा हड़कंप

नेशनल हाईवे से गुजरने वाली हर छोटी-बड़ी गाड़ी को रोककर उनके दस्तावेजों और सामान की सघन तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान पुलिस और बीडीएस की टीम संदिग्ध वस्तुओं की जांच कर रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके और अपराधियों पर नकेल कसी जा सके। अचानक शुरू हुई इस सघन चेकिंग से इलाके में हड़कंप का माहौल देखा गया, लेकिन स्थानीय नागरिकों ने सुरक्षा के लिहाज से इसे एक जरूरी कदम माना है।

प्रशासन की जनता से अपील

पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र की आम जनता से अपील की है कि वे इस सुरक्षा जांच में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। साथ ही, किसी भी संदिग्ध या लावारिस वस्तु के दिखने पर उसकी सूचना तत्काल बिछिया थाना पुलिस को देने का आग्रह किया गया है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए इस तरह के अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

संगठन अध्यक्ष और व्यापारी ने मिलकर किया लाखों का गबन

एफआईआर दर्ज

जबलपुर। शासन की कल्याणकारी योजनाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गठित स्व-सहायता समूहों में गड़बड़झाला उजागर हुआ?। पंचशील ग्राम संगठन अमगवां और राधा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती कंचन नामदेव ने व्यापारी विकास जैन के साथ मिलकर पद का दुरुपयोग करते हुए लाखों रुपये का गबन किया है। खितौला पुलिस ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

खितौला पुलिस ने बताया कि पंचशील ग्राम संगठन के अध्यक्ष श्रीमति कंचन नामदेव द्वारा व्यापारी विकास जैन के साथ मिलकर वित्तीय अनियमितता की है एवं अनाधिकृत रूप से राशि का आहरण किया है। जांच समिति ने पाया कि अध्यक्ष कंचन नामदेव ने नियमों को ताक पर रखकर खातों का संचालन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत किया गया गबन है।

ऐसे किया हेरफेर- कंचन नामदेव ने पंचशील ग्राम संगठन के खाते से स्वयं के नाम पर 4,20,000 रुपये और संध्या के खाते में पर 2,00,000 रुपये आहरित किए। इसके अलावा 40,000 रुपये नकद भी निकाले गए। उपार्जन कार्य के लिए स्टेट कोऑपरेटिव से संगठन को 26,85,627 रुपये प्राप्त हुए थे। लेकिन अध्यक्ष ने मिलीभगत कर व्यापारी विकास जैन को कुल 28,80,000 रुपये का अनाधिकृत भुगतान कर दिया। अध्यक्ष ने विकास जैन और अरिहंत रोडलाइंस के साथ मिलकर लाखों रुपयों का संदिग्ध लेन-देन किया। कभी राशि प्राप्त की गई तो कभी बिना किसी ठोस आधार के वापस ट्रांसफर की गई।

मिलीभगत से लगाया शासन को चूना

जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है कि अध्यक्ष श्रीमती कंचन नामदेव ने अपने पद का दुरुपयोग कर मनमर्जी से खातों का संचालन किया है। इस पूरे घोटाले में व्यापारी विकास जैन की सक्रिय संलिप्तता पाई गई है, जिन्होंने वित्तीय हेराफेरी में अध्यक्ष का साथ दिया।

श्रामणेर शिविर का समापन और सड़क सुरक्षा, रक्तदान अभियान की अनूठी पहल

बुद्ध पूर्णिमा में विशाल शांति रैली से गूंजा शहर

मंडला। विश्व को शांति और करुणा का संदेश देने वाले महाकारुणिक तथागत गौतम बुद्ध की 2570वीं जयंती के अवसर पर मंडला नगर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। बुद्धिस्ट सोसायटी के माध्यम से आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायियों ने सहभागिता की।

सोसायटी के महासचिव शरद मेश्राम ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर 30 अप्रैल को नेहरू स्मारक से एक विशाल शांति रैली निकाली गई। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पहुंची, जहाँ बाबासाहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। रैली का नेतृत्व पूज्य भदंत धम्म दीप महानंद बोधी जी और विभिन्न जिलों से आए श्रामनेरों ने किया। इसके साथ ही देवदरा स्थित बुद्ध विहार में चल रहे 10 दिवसीय श्रामणेर शिविर का भी विधिवत समापन हुआ।

रक्तदान के साथ सड़क सुरक्षा का संगम-1 मई को त्रिगुण पावन पूर्णिमा के मुख्य अवसर पर बुद्ध विहार में विशेष पूजा, वंदना और धम्म देशना का आयोजन किया गया। विश्व मंगल मैत्री के उपरांत एक विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर की अनूठी विशेषता यह है कि इसे सड़क सुरक्षा अभियान से जोड़ा गया है। रक्तदान करने वाले प्रत्येक साथी को समिति की ओर से नि:शुल्क हेलमेट वितरित किया जा रहा है, जिससे समाज में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े।

कार्यक्रमों में दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के प्रदेश सचिव दिलीप सोमकुंवर, जिलाध्यक्ष राजकुमार मंडाले, कोषाध्यक्ष रेखा मेश्राम, अजाकस जिलाध्यक्ष गजराज मरावी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और महिला अनुयायी उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने समस्त नागरिकों से इन आयोजनों में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

लापरवाही

कालपी डिपो में मजदूरों की सुरक्षा ताक पर, न जूते और न ही दस्ताने, आग से बचाव के इंतजाम भी गायब, वन विभाग की अनदेखी, सरकारी दावों की खुली पोल

खाली बाल्टियों के भरोसे करोड़ों की लकड़ी, जोखिम में मजदूरों की जान

मंडला। सरकार जहाँ एक ओर श्रमिकों के हितों और उनकी सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे करती हैं, वहीं मंडला जिले के वन मंडल अंतर्गत कालपी वन परिक्षेत्र से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आ रही है। यहाँ स्थित वनकाष्ठागार डिपो में वर्षों से काम कर रहे सैकड़ों मजदूरों को आज तक उनके बुनियादी हक और सुरक्षा उपकरण नसीब नहीं हो पाए हैं। यह स्थिति न केवल वन विभाग, बल्कि संबंधित ठेकेदारों और सरकारी कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवालिया निशान खड़े करती है।

बताया गया कि कालपी डिपो में दैनिक मजदूरी पर आने वाले स्थानीय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूर लकड़ी के भारी-भरकम लट्ठों को उठाने, उनकी छँटाई और लोडिंग जैसे अत्यंत जोखिम भरे कार्य करते हैं। नियमानुसार ऐसे भारी और खतरनाक कार्यों में लगे श्रमिकों को सुरक्षा के लिए हेलमेट, हाथों के दस्ताने और मजबूत जूते मिलना अनिवार्य है। बावजूद इसके धरातल पर इन मजदूरों को नंगे पैर या सामान्य चप्पलों में भारी काम करते देखा जा सकता है। सुरक्षा संसाधनों की यह कमी किसी भी दिन बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

स्वास्थ्य सुविधा और बीमा से भी वंचित

सुरक्षा उपकरणों की बात तो दूर, यहाँ कार्यरत मजदूरों के लिए किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा या आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा का प्रावधान नहीं किया गया है। यदि कार्य के दौरान कोई मजदूर चोटिल होता है, तो उसके उपचार की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। प्रशासन और शासन की इस बेरुखी ने इन दैनिक वेतनभोगियों को हाशिए पर धकेल दिया है।

प्रशासन पर उठते सवाल

इतने वर्षों से निरंतर कार्य होने के बाद भी वन विभाग द्वारा इनकी सुध न लेना प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है। लोगों का कहना है कि क्या भारी श्रम करने वाले ये गरीब मजदूर सुरक्षा के हकदार नहीं हैं? भारी मशीनों और लकड़ियों के बीच काम करने वाले इन श्रमिकों का जीवन क्या इतना सस्ता है कि विभाग को उनके पैरों के जूते और सिर के हेलमेट तक का बजट उपलब्ध नहीं है।

मानव अधिकार का उल्लंघन

बताया गया कि कालपी डिपो के ये मजदूर आज भी अपने हक की बाट जोह रहे हैं। जरूरत है कि प्रशासन अपनी नींद से जागे और इन श्रमिकों को अनिवार्य सुरक्षा किट उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाए, जिससे किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। मजदूरों का कहना है कि हम दैनिक मजदूर सुरक्षा के पूर्ण हकदार हैं।

भारतीय श्रम कानून के अनुसार किसी भी कार्यस्थल पर सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना चाहे वह सरकार हो या निजी ठेकेदार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सुरक्षा के अभाव में काम कराना न केवल अनैतिक है, बल्कि मानवाधिकारों का उल्लंघन भी है। जिले के कालपी वनकाष्ठागार डिपो में वन विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। भीषण गर्मी और आगजनी के बढ़ते खतरों के बावजूद डिपो में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं।

मौके पर स्थिति यह है कि आग बुझाने के लिए रखे गए फायर स्टैंड पर लटकी रेत की बाल्टियां खाली पड़ी हैं। करोड़ों रुपये की बेशकीमती लकड़ियों के संरक्षण वाले इस डिपो में यदि अचानक आगजनी जैसी कोई अप्रिय घटना होती है, तो विभाग के पास तत्काल बचाव का कोई ठोस साधन मौजूद नहीं है। सुरक्षा उपायों की यह पोल खोलती तस्वीर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।